सीया सुकमारी मिथिला के दुलारी

सीया सुकुमारी मिथिला की दुलारी,
पाहून हमर रघुवर धनु धारी....

चारौ दूलह दशरथ के रे नंदन।।
अद्भुत रूप निहारी...-2
भेलौ मगन सुनि नर और नारी।।
पाहून हमर रघुवर.....

रूप बदल ऋषि मुनि सब एला।।
और पुष्पन बर साई...-2
अब अवध पूरी के युवराज रघुराइ।।
पाहून हमर रघुवर.....

जिनकर वर्णन वेद करै अछी।।
अखिल लोक सुखदाई...-2
कौशल्या सूत राम जमाई।।
पाहून हमर रघुवर .....

सीया सुकुमारी मिथिला की दुलारी,
पाहून हमर रघुवर धनु धारी....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/26216/title/siya-sukumari-mithila-ke-dulari

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |